उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

23, एलनगंज, इलाहाबाद–211002

पाठ्यक्रम–प्रवक्ता

संगीत (21)

संगीत वादन (तंत्र एवं अवनद्य)

अधि स्वर, वाक्यों में तरब का प्रयोग, चिकारी, खरज, तोड़ा, तिहाई, जमजमा पेशकारा, टुकड़ा, पस, तिहाई, मूल लय एवं सम्बन्धित लय, विभिन्न प्रकार के भारतीय संगीत वाद्यों का ज्ञान तथा जो वाद्य विशेष अध्ययन किया है उसके विअंगों एवं मिलाने का विशेष ज्ञान, प्रमुख रागों की विशेषताएं, स्तर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास एवं भेद अथवा प्रमुख तालों के विभिन्न लयों के साथ लयात्मक प्रकार, कठिन लयकारी की रचना, तालों को तथा पेशकारा, टुकड़ा, मुखड़ा एवं यस आदि को लिपिबद्ध करने की योग्यता, अथवा गतों का स्वर–लिपि में साधारण तोड़े एवं झाले के साथ लिखने की योग्यता। अल्प–स्वर विस्तार अथवा ठेके के कुछ बोलों के आधार पर रागों तथा तालों को पहचानने की योग्यता, विलम्बित तथा द्रुत गतें। अथवा ठेकों (दिल्ली) बनारस आदि के बाजों के प्रकार।

भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास, भारतीय संगीतज्ञों – सांगदेवे, तानसेन, अमीर खुसरों, भरत खण्डे, विष्णुदिगम्बर, गोपाल नायक की जीवनियां एवं उनकी देन। अपने वाद्य का विस्तृत अध्ययन, इतिहास एवं विकास। गत के प्रकार , उसके लक्षणं विभिन्न गतों का स्वर, ताल–लिपि में लिखना। अपने वाद्य के घरानों एवं उनके विशिष्ट कलाकारों के वादन–शैली का अध्ययन।

निम्नलिखित तालों का विस्तृत अध्ययन– शिखर, बह्म, रूद्र, गजझम्पा, चारताल, धमार, झपताल लक्ष्मी ताल। तबला के विद्यार्थियों के लिए पेशकारा, कायदा, पलरा, रेला, तिहाई, बोर, लग्गी, चारबाग, फरमाइशी, कमाली, चक्रदारण झूलना के बोल आदि का अध्ययन व ताल–लिपि में लिखने का ज्ञान।

संगीत गायन

शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या, स्पतक, तिब्रता, गुण और तारत्व, शुद्ध एवं विकृत स्वर, श्रुतियां शुद्ध स्वरों का आन्दोलन और तार पर शुद्ध स्वरों का स्थान, आलाप, तान मुर्की, कण कम्पन, मीड़, गमक, छूट की तानों के प्रकार (सपाट आदि), आरोह, अवरोहवादी का आलोचनात्मक अध्ययन, सम्बादी, अनुवादी, विवादी, अंश, न्यास अल्पत्व, बहुत्व, विशेष रागों के गाने अथवा बजाने की उपयुक्त धुने, पूर्णराग, उत्तर राग संधि प्रकाश राग, आश्रय राग, पामेल प्रवेशक राग, उत्तर और दक्षिण भारत के ठाट/मेल का वर्गीकरण और उससे रागों की उत्पत्ति, उत्तर भारतीय (हिन्दुस्तानी) और कर्नाटक पद्धतियों के स्वरों एवं श्रुतियों का तुलनात्मक अध्ययन, तानपूरे के विभिन्न अंगों का ज्ञान उसको मिलाना, उसके अधिस्वर आदि, संगीत का इतिहास और रागों का अध्ययन, गीतों की शैलियां और प्रकार ध्रपद, धमार ख्याल (विलम्बित एवं द्रुत), टप्पा, ठुमरी, तराना, सरगम, लक्षणगीत, भजन, त्रिवट, चतुरंग, राग माला और होली तालों के ठेकों की दुगुन–चौगुन का ज्ञान, स्वर विस्तार के माध्यम से रागों का विकास तथा पारस्परिक भेद, कठिन अलंकारों की रचना गीतों की आलाप–तान, बोल–तान सहित स्वर लिपिबद्ध करने

की योग्यता छोटे समुदायों के आधार पर रागों को पहचानना और उनके बढ़त की योग्यता, भारतीय संगीत में आशुरचना का स्थान, सारंगदेव, तानसेन, अमीरखुसरों, भारतखन्डे, विष्णुदिगम्बर और गोपाल नायक की जीवनियां, तथा भारतीय संगीत में उनका योगदान, शास्त्र एवं मंचीय कार्यक्रम समालोचना, संगीत घरानों का अध्ययन, वर्तमान सन्दर्भ में विभिन्न घरानों की स्थिति का विश्लेषण, भारतीय संगीत के प्रमुख शास्त्रकारों (पं0 लोचन, पं0 सारंगदेव, दत्ती, दुर्गशक्ति, भरत, मतंग, अहोबल, सोमनाथ) के कृतित्व का विवेचन, वायस कलचर के अन्तर्गत कंठ संबंधी प्रक्रिया का ज्ञान, काकू भेद सम्बन्धी तत्व, इनके सुप्रभाव तथा कुप्रभाव (ध्वनीय प्रदूषण) का विश्लेषण, संगीत के क्षेत्र में वर्गीकरण का पारस्परिक अध्ययन, ग्राम राम, दसविधि ज्ञान लक्षण एवं वर्गीकरण, रागरागिनी ठाट, मेल उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत में स्वर, राग और ताल का अध्ययन, आलोचना एवं समीक्षा की सैद्धान्तिक कसौटी पर किसी भी शास्त्रीय विद्वान एवं विशिष्ट संगीतकार के जीवन तथा कृतित्व मूल्यांकन का ज्ञान, मारू विहाग, जोग, जोगकौस भैरव, वृन्दाबनी सारंग, दुर्गा, केदार मियां महार, बहार, मारवा, वैरागी, पुरिया, कल्याण, मधुवन्ती रागों का शास्त्रीय शैलीबद्ध विस्तृत अध्ययन, बंदिशों को स्वर ताल लिपि में लिखने का ज्ञान, लयकारी का अध्ययन 3/4, 3/2 और 5/4